अभ्यास प्रश्नपत्र (सत्र-II)

कक्षा- IX

विषय- सामाजिक विज्ञान (विषय कोड- 087)

सुझावात्मक अंक योज़ना

अवधि: 2 घंटे **अधिकतम अंक: 40**

प्रश्न संख्या	**खंड क**
1	प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी की पराजय के बाद वर्साय में हुई शांति संधि की शर्तें जर्मनी के लिए काफी अपमानजनक थी। इस संधि की वजह से जर्मनी को अपने सारे उपनिवेश, तकरीबन 10% आबादी, 13% भूभाग, 75% लौह भंडार और 26% कोयला भंडार मित्र राष्ट्रों के हवाले करना पड़ा। इसके अतिरिक्त उसपर 6 अरब पौंड का जुर्माना भी लगाया गया। इन संधि शर्तों ने हिटलर जैसे तानाशाहों को उबरने का मौका दिया। इससे हम कह सकते हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध के बीज़ वर्साय की संधि में ही बो दिए गए थे।
2	भारत में गरीबी के प्रमुख कारण- I. जनसँख्या की अधिकता II. अशिक्षा III. व्यावसायिक शिक्षा का अभाव IV. औपनिवेशिक सरकार की नीतियाँ (कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
3	लोकतांत्रिक चुनाव के मानदंड- I. सामान मताधिकार II. चुनाव में विकल्प उपलब्ध हों, III. नियमित अंतराल पर चुनाव, IV. स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव (कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
4	दक्षिण पश्चिमी मानसूनी पवनें क्रमशः पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती हैं। इस क्रम में इन पवनों द्वारा लायी गई जलवाष्प की मात्रा घटती जाती है। अतः देश के उत्तरी भाग के पश्चिमी भागों में वर्षा पूर्वी इलाकों की अपेक्षा कम होती जाती है। (कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
5	I. गृहयुद्ध के दौरान भी बोल्शेविकों ने उद्योगों और बैंकों के राष्ट्रीयकरण को जारी रखा। II. केन्द्रीकृत नियोजन की व्यवस्था को लागू किया गया। III. किसानों ने समय-समय पर सामूहिक खेती करना शुरू कर दिया था। (कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
	खंड ख
6	I. लड़कियों का फ़र्ज़ एक अच्छी माँ बनना और शुद्ध आर्य रक्त वाले बच्चों को जन्म देना था। II. नस्ल की शुद्धता बनाए रखने, यहूदियों से दूर रहने, घर संभालने और बच्चों को नात्सी मूल्य-मान्यताओं की शिक्षा देने का दायित्व उन्हें हीं सौंपा गया था। III. उन्हें समझाया जाता था कि औरत-मर्द के लिए सामान अधिकारों का संघर्ष गलत है, या समाज को नष्ट कर देगा। (या कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु) अथवा i. यहूदी ii. जर्मनी में रहने वाले जिप्सी एवं अश्वेत iii. शारीरिक या मानसिक रूप से अयोग्य व्यक्ति

	(या कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
7	i. सरकार के प्रमुख होने के नाते कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता करना। ii. विभिन्न विभागों के कार्य का समन्वय करना। iii. विभिन्न मंत्रियों को काम का वितरण एवं पुनर्वितरण करना। (या कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
8	i. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन सामान्यतः हर पाँच वर्ष पर प्रतिदर्श सर्वेक्षण के माध्यम से किया जाता है। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एन. एस. एस. ओ.) द्वारा कराए जाते हैं। ii. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन- iii. a) कैलोरी आवश्यकताओं के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन और नगरीय क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन b) प्रतिव्यक्ति मौद्रिक व्यय की गणना के द्वारा वर्ष 2011-12 की गणना के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 816 रूपए प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह एवं नगरीय क्षेत्रों में 1000 रूपए प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह है।
	खंड ग
9	I. दोनों सदनों के बीच मतभेद की स्थिति में अंतिम फैसला दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में किया जाता है। सदस्यों की संख्या अधिक होने की स्थिति में लोकसभा के विचार को प्राथमिकता मिलने की संभावना रहती है। II. पैसों के मामले में लोकसभा का अधिकार अधिक होता है। राज्यसभा इससे सम्बंधित क़ानून को खारिज़ नहीं कर सकती है और उसे पारित करने में अधिक से अधिक 14 दिनों की देरी कर सकती है। III. राज्यसभा धन विधेयक के सम्बन्ध में संशोधन का सुझाव दे सकती है परन्तु यह लोकसभा का अधिकार है कि वो इन सुझावों को माने या ना माने। IV. लोकसभा मंत्रिपरिषद को नियंत्रित करती है। सिर्फ वही व्यक्ति प्रधानमन्त्री बन सकता है जिसे लोकसभा में बहुमत हासिल हो। (या कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु) अथवा i. एक बार किसी व्यक्ति को सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के बाद उसे संसद के अलग- अलग सदनों के दो-तिहाई बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव पारित करवा कर ही हटाया जा सकता है। ii. अगर न्यायपालिका को लगता है कि विधायिका द्वारा कोई कानून संविधान के खिलाफ है तो वो ऐसे कानून को अमान्य कर सकती है। iii. इसी तरह जब उसके सामने किसी कानून या कार्यपालिका की कार्यवाही को चुनौती मिलती है तो वे उसकी संवैधानिक वैधता तय करते हैं। iv. अदालतें सरकार को निर्णय करने की शक्ति के दुरूपयोग से रोकने के लिए हस्तक्षेप करती है। v. वे सरकारी अधिकारियों को भ्रष्ट आचरण करने से रोकती है। (या कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
10	I. प्रत्येक राज्य में निर्धन लोगों का अनुपात एक सामान नहीं है। II. वर्ष 2011-12 में भारत में निर्धनता अनुपात 22% है। III. बिहार और ओडिशा क्रमशः 33.7 और 32.6 प्रतिशत निर्धनता औसत के साथ दो सर्वाधिक निर्धन राज्य बने हुए हैं। IV. ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश में ग्रामीण निर्धनता के साथ नगरीय निर्धनता भी अधिक है। V. पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य उच्च कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने में पारंपरिक रूप से सफल रहे हैं। अथवा I. भारत में निर्धनता अनुपात में वर्ष 1993-94 में लगभग 45% से वर्ष 2004-05 में 37.2% तक महत्वपूर्ण

	गिरावट आई है। II. वर्ष 2011-12 में निर्धनता रेखा के नीचे निर्धनों का अनुपात और भी गिर कर 22% पर आ गया। III. यदि यही प्रवृत्ति रही तो अगले कुछ वर्षों में निर्धनता रेखा से नीचे के लोगों की संख्या 20% से भी नीचे आ जाएगी। IV. यद्यपि निर्धंती रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का प्रतिशत पूर्व के दो दशकों (1973-93) में गिरा है, निर्धन लोगों की संख्या वर्ष 2004-05 में 407 मिलियन से गिरकर 270 मिलियन वर्ष 2011-12 जिसमें औसतन गिरावट 2.2% वर्ष 2004-05 से 2011-12 के बीच में हुई है। (या कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)
	खंड घ
11	1. उदारवादी समूह 'लोकतंत्रवादी' नहीं था। ये लोग सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार यानी सभी नागरिकों को वोट का अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे। उनका मानना था कि वोट का अधिकार केवल संपत्तिधारियों को ही मिलना चाहिए। 2. रैडिकल समूह के लोग ऐसी सरकार के पक्ष में थे जो देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित हो। इनमें से बहुत सारे लोग महिला मताधिकार आंदोलन के भी समर्थक थे। उदारवादियों के विपरीत ये लोग बड़े ज़मींदारों और संपन्न उद्योगपतियों को प्राप्त किसी भी तरह के विशेषाधिकारों के खिलाफ थे। 3. रुढ़िवादी तबका रैडिकल और उदारवादी, दोनों के खिलाफ था। मगर फ़्रांसीसी क्रांति के बाद तो रुढ़िवादी भी बदलाव की ज़रूरत को स्वीकार करने लगे थे। पुराने समय में, यानी अठारहवीं शताब्दी में रुढ़िवादी आमतौर पर परिवर्तन के विचारों का विरोध करते थे। लेकिन उन्नीसवीं सदी तक आते-आते वे भी मानने लगे थे कि कुछ परिवर्तन आवश्यक हो गया है परंतु वह चाहते थे कि अतीत का सम्मान किया जाए अर्थात् अतीत को पूरी तरह ठुकराया न जाए और बदलाव की प्रक्रिया धीमी हो।
12	1. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन 2. आर्द्र पर्णपाती वन- देश के पूर्वी भागों उत्तरी-पूर्वी राज्यों, हिमालय के गिरिपद प्रदेशों, झारखंड, पश्चिमी उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तथा पश्चिमी घाटों के पूर्वी ढालों में पाए जाते हैं। शुष्क पर्णपाती वन- प्रायद्वीपीय पठार के ऐसे वर्षा वाले क्षेत्रों, उत्तर प्रदेश तथा बिहार के मैदानों में पाए जाते हैं। 3.

क्र. सं.	आर्द्र पर्णपाती वन	शुष्क पर्णपाती वन
1	उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ 100 से॰मी॰ 200 से॰मी॰ तक वर्षा होती है।	उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वर्षा 70 से॰मी॰ से 100 से॰मी॰ के बीच होती है।
2	सागोन इन वनों की सबसे प्रमुख प्रजाति है। बाँस, साल, शीशम, चंदन, खैर, कुसुम, अर्जुन तथा शहतूत के वृक्ष व्यापारिक महत्त्व वाली प्रजातियाँ हैं।	प्रायः सागोन, साल, पीपल तथा नीम के वृक्ष उगते हैं।

	खंड ङ

13.1

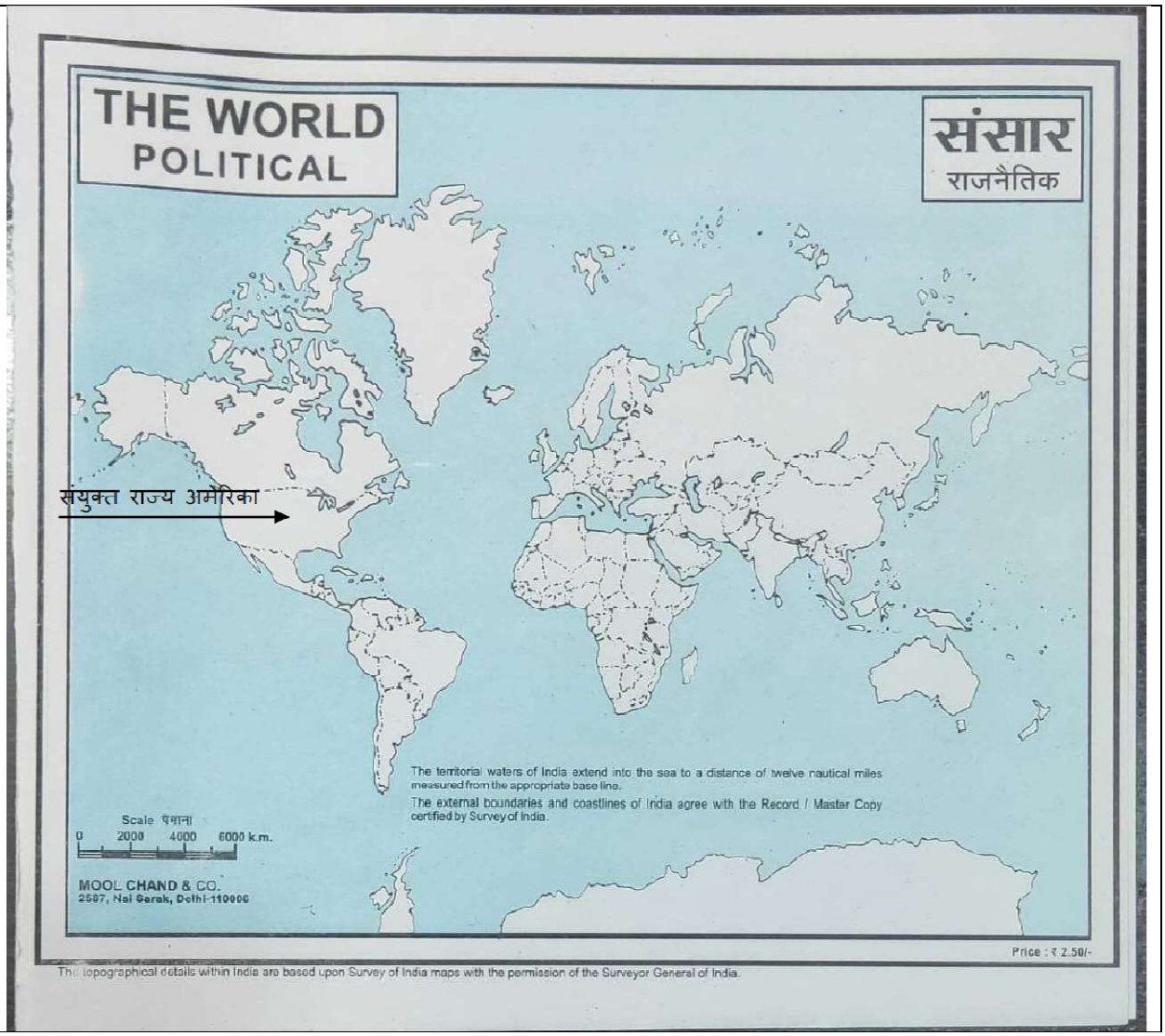
THE WORLD
POLITICAL
संसार
राजनैतिक
संयुक्त राज्य अमेरिका
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The external boundaries and coastlines of India agree with the Record / Master Copy certified by Survey of India.
Scale पैमाना
0 2000 4000 6000 k.m.
MOOL CHAND & CO.
2587, Nai Sarak, Delhi-110006
Price : ₹ 2.50/-
The topographical details within India are based upon Survey of India maps with the permission of the Surveyor General of India.

13.2	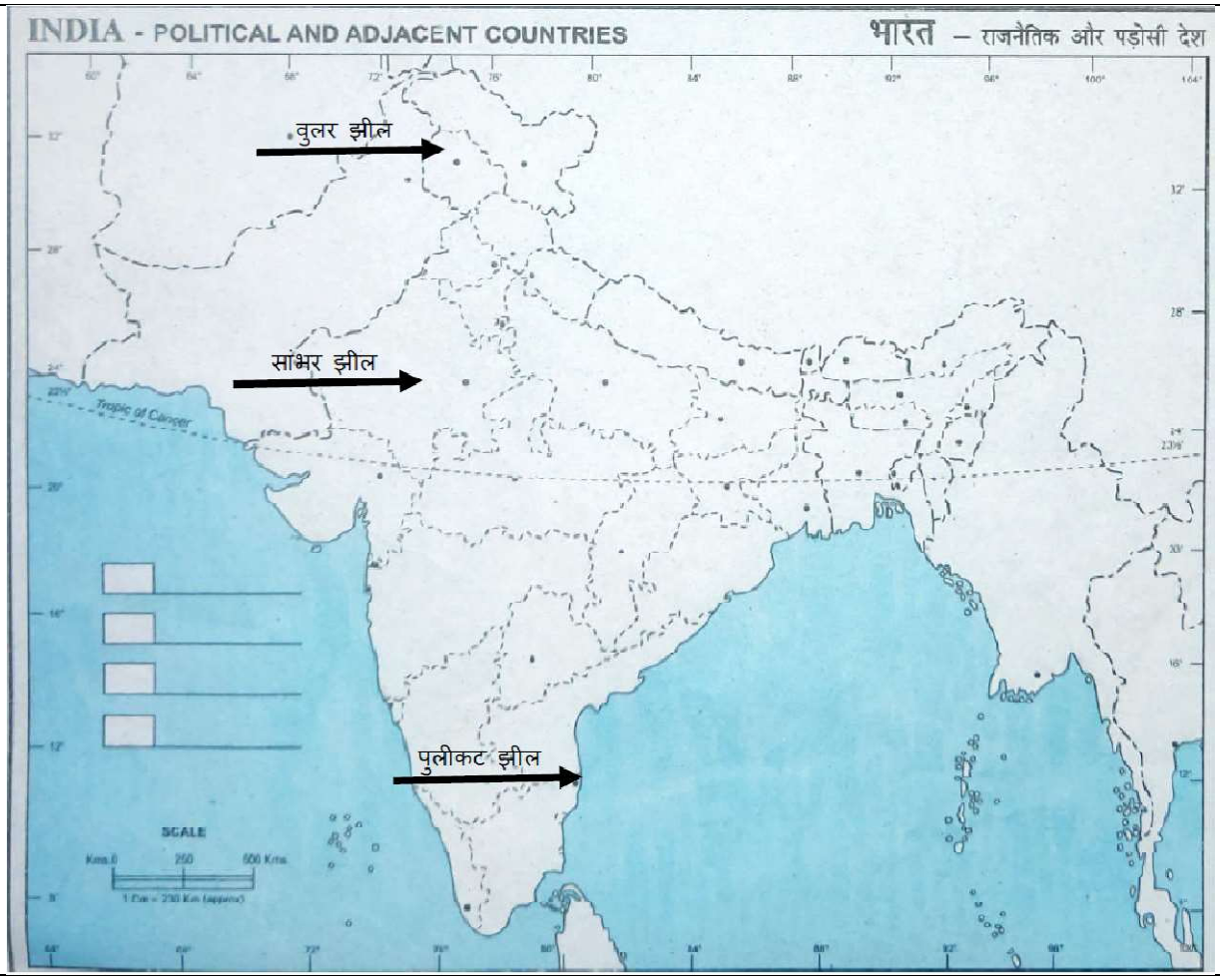
	दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न
13.1	संयुक्त राज्य अमेरिका (या कोई अन्य)
13.2	A जम्मू और कश्मीर B राजस्थान C आंध्र प्रदेश